# यह दंतुरित मुस्कान, फसल

## नागार्जुन

**प्रदत्त कार्य-1 : अनुभव लेखन**

**विषय : दंतुरित मुस्कान के कवि के अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए।**

**उद्देश्य :**

- कवि के भाव का अनुभव करेंगे।
- बाल स्वभाव को समझेंगे।
- कल्पना शक्ति का विकास।
- लेखन कौशल का विकास करना।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. अध्यापक कार्य के स्वरूप को समझाएँगे।
2. दंतुरित मुस्कान के भाव पर चर्चा करेंगे।
3. विद्यार्थियों को 20 मिनट का समय देकर स्वतंत्र रूप से लिखवाएंगे।
4. कार्य सम्पन्न होने पर अध्यापक सभी के कार्य को एकत्रित करेंगे।
5. विद्यार्थियों से मूल्यांकन के आधाार पर मूल्यांकन करवाएंगे।
6. मूल्यांकन आधार बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखे जाएँगे।
7. शिक्षक अपनी सुविधानुसार मूल्यांकन के तरीके बदल सकते हैं।

**मूल्यांकन के आधार बिन्दु :**

- विषयवस्तु
- रोचकता
- भाषा

**टिप्पणी :**

- अध्यापक अन्य मूल्यांकन बिन्दुओं को आधार मानकर भी मूल्यांकन कर सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- कक्षा के वातावरण को सदैव खुशहाल बनाया जाए।
- छात्रों की समस्या का निदान करके उनके तनाव को दूर किया जाए।
- यह प्रक्रिया प्रतिदिन कक्षा लेने से पूर्व की जा सकती है।

## प्रदत्त कार्य-2 : वाद विवाद

### विषय : उपभोक्तावादी संस्कृति हमें कृषि संस्कृति से दूर ले जा रही है।

**उद्देश्य :**

- चिंतन मनन की प्रवृत्ति का विकास करना।
- तार्किक प्रवृत्ति का विकास करना।
- विचार विश्लेषण की प्रवृत्ति का विकास करना।
- श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।
- सहभागिता की प्रवृत्ति का विकास करना।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विषय की जानकारी देंगे तथा प्राचीन काल में अतिथि का महत्व तथा आज के युग में अतिथि सत्कार पर चर्चा करेंगे।
3. कक्षा को दो समूहों में विभाजित किया जाएगा एक समूह विषय के पक्ष में तथा दूसरा विपक्ष में।
4. अध्यापक यह प्रयास करेंगे कि सभी विद्यार्थी विचार रख सके।
5. समूह चर्चा एवं लेखन के लिए 10-15 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. इस दौरान शिक्षक दोनों समूहों में घूमकर छात्रों का मार्गदर्शन करेगा।
7. मूल्यांकन के आधार श्यामपट्ट पर लिखे जायेंगे।

8. समूह चर्चा के पश्चात् प्रस्तुतीकरण के लिए प्रत्येक समूह के प्रतिनिधि को 5-5 मिनट का समय दिया जाएगा।

**मूल्यांकन के आधार बिन्दु :**

- विषय वस्तु
- प्रस्तुतीकरण (सटीक तर्क, भाषा)
- उपयुक्त उदाहरण

**टिप्पणी :**

- अध्यापक वाद-विवाद की प्रक्रिया को बदल सकते हैं।
- अध्यापक मूल्यांकन के आधार स्वयं निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है।

**प्रतिपुष्टि :**

- अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए सराहना की जाए।
- सभी विद्यार्थियों को प्रतिभागी होने के लिए प्रेरित किया जाए।

## प्रदत्त कार्य-3 : एलबम बनाना

### विषय : बच्चों की मुस्कान से संबंधित चित्रों का एलबम तैयार करना।

**उद्देश्य :**

- चिंतन कौशल का विकास।
- भावनात्मक सौदर्न्य का विकास।
- संवेदनात्मक भावुभूति का विकास।
- प्रस्तुतीकरण एवं संग्रहकला का विकास।
- हस्तकला की कला का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. अध्यापक विषय को स्पष्ट करेंगे।

3. बच्चों से इंटरनेट/फोटो/कैलेण्डर/अख़बारों आदि से बड़ो की सहायता से मुस्कान संबंधी चित्र काट कर कक्षा में लाने को कहा जाएं।

4. प्रत्येक विद्यार्थी को एलबम के ऊपर अपना नाम तथा क्रमांक लिखने को कहा जाएगा।

5. चित्रों को चिपकाने और प्रत्येक चित्र के नीचे 'मुस्कान' को लक्षित करते हुए-कोई टिप्पणी, पंक्ति, तर्क आदि लिखने का कार्य कक्षा में ही कराया जाए।

6. बच्चे एक चित्र के लिए एक से अधिक पंक्ति भी लिख सकते हैं।

**मूल्यांकन के आधार बिन्दु :**

- संपूर्ण एलबम
- अधूरे कार्य

**टिप्पणी :**

- मूल्यांकन आधार अध्यापक स्वयं भी निर्धारित कर सकता है।

**प्रतिपुष्टि :**

- सामान्य या अतिसामान्य प्रस्तुति करने वाले विद्यार्थियों का उचित मार्ग दर्शन देकर प्रोत्साहित किया जाए।
- प्रतिभासंपन्न विद्यार्थियों की सराहना की जाए।

## प्रदत्त कार्य-4 : नारे लिखना व बुलवाना

### विषय : जल ही जीवन है।

**उद्देश्य :**

- विचारों की सजगता का ज्ञान कराना।
- निरीक्षण शक्ति में वृद्धि करना।
- लेखन दक्षता का विकास करना।
- श्रवण शक्ति सामर्थ्य की परख कराना।
- कम शब्दों में प्रभावशाली बात कहने का विकास करना।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. दो नारे अध्यापक श्यामपट्ट पर लिख देगा और छात्रों से कहा जायेगा कि वे उससे कुछ अलग लिखें।

2. अध्यापक दस मिनट छात्रों को सोचने का समय देगा कि वे 'जल ही जीवन है' पर नारा सोचें तथा लिखें।

3. उदाहरण – 'जल बिन सब सून'

'अब समझे पानी कितनी मूल्यवान वस्तु है।' यह कह कर अध्यापक विद्यार्थियों को जल का महत्त्व समझाएगा।

4. प्रत्येक छात्र दो-दो नारे लिखेंगे। अध्यापक द्वारा छात्रों का मार्ग दर्शन किया जायेगा।

5. लिखने के उपरान्त सभी छात्र नारे प्रस्तुत करेंगे।

6. इस गतिविधि के लिए एक कालांश का समय दिया जायेगा और मूल्यांकन बिन्दु श्यामपट्ट पर लिख दिए जायेंगे।

**मूल्यांकन के आधार बिन्दु :**

- सटीक शब्द चयन
- सार्थकता
- समग्र प्रभाव
- तुकबंदी

**प्रतिपुष्टि :**

- सर्वोत्तम दो नारे श्यामपट्ट पर लिखे जाएं और उन छात्रों की प्रशंसा की जाए।
- योजनानुसार कार्य करने वाले विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया जाए।
- अच्छे नारों को विद्यालय प्रदर्शन पट्ट पर लगाया जा सकता है।

## प्रदत्त कार्य-5 : परिचर्चा

### विषय : नदियों तथा मनुष्य का अंतर संबंध।

**उद्देश्य :**

- नदियों के महत्व को समझना।
- वैचारिक शक्ति का विकास।
- तुलनात्मक अध्ययन करने की प्रवृति।
- श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक कक्षा में नदियों के किनारे विकसित सभ्यता की चर्चा करेंगे।
3. अध्यापक नदियों के किनारे विकसित शहरों तथा उससे मिलने वाले लाभ के बारे में बताएंगे।
4. अध्यापक संकेत देने के बाद सुविधानुसार प्रत्येक समूह को आपसी परिचर्चा के लिए 10 मिनट का समय देंगे।
5. विद्यार्थियों के बीच परिचर्चा शुरू करवांएगे।
6. अध्यापक ध्यान रखेंगे कि परिचर्चा में सभी विद्यार्थी भाग ले सकें।
7. निर्धारित मूल्यांकन बिन्दुओं के आधार पर परिचर्चा।
8. अध्यापक सुविधानुसार मूल्यांकन करें।

**मूल्यांकन के आधार बिन्दु :**

- विषय की जानकारी
- प्रस्तुति
- भाषा

**प्रतिपुष्टि :**

- तार्किक ढंग से विचार प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाएगी।
- कमजोर तर्क रखने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।